फसलों का महत्व एवं उनका वर्गीकरण

फसल

पौधों के ऐसे समूह को, जिसे मनुष्य किसी न किसी रूप में अपने उपभोग के लिए उगाता है। उनको फसलें कहते हैं।

फसलों का वर्गीकरण

फसलों का वर्गीकरण :

- ऋतु के आधार पर
- पौधों का जीवन चक्र के आधार पर
- आर्थिक महत्व के आधार पर
- विशेष उपयोग के आधार पर

ऋतुओं के आधार पर वर्गीकरण

खरीफ की फसलें :

- ऊंचा तापमान एवं आर्द्रता
- वर्षा प्रारम्भ होने पर बुवाई
- मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, लोबिया, सोयाबीन, मूंगफली, कपास, धान, आदि

रबी की फसलें :

- अंकुरण एवं प्रारंभिक वृद्धि के लिए ठंडी जलवायु एवं अल्प प्रकाश काल
- पकने के लिए अधिक तापमान एवं दीर्घ प्रकाश काल

- बुवाई अक्टूबर-नवम्बर तक
- गेहूं, जौ, चना, मटर, आलू, सरसों, बरसीम, लूसर्न घास आदि

जायद की फसलें :

- वृद्धि के लिए अधिक तापमान एवं अधिक प्रकाशकाल
- सूखा एवं लू सहन करने की क्षमता
- बुवाई फरवरी -मार्च तक
- ककड़ी, खरबूजा, तरबूज, उड़द, मूंग, सूरजमुखी, लोबिया आदि

जीवनचक्र के आधार पर वर्गीकरण

एक वर्षीय पौधे :

- एक वर्ष या इससे काम समय
- गेहूं, जौ, चना, मटर, मक्का, ज्वार, बाजरा आदि

द्विवर्षीय पौधे :

- प्रथम वर्ष में वानस्पतिक वृद्धि, दूसरे वर्ष फूल, फल, एवं बीज बनते है
- प्याज एवं चुकंदर आदि

बहुवर्षीय पौधे :

- अनेक वर्ष तक जीवित
- लूसर्न (रिजका) घास आदि

आर्थिक महत्व के आधार पर वर्गीकरण

अनाज की फसलें या धान्य फसलें :

- गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा, सावाँ, काकून, कोदो आदि

दलहनी फसलें :

- अरहर, उर्द, मूंग, चना, मटर, मसूर एवं सोयाबीन आदि

तिलहनी फसलें :

- सरसों, राई, तोरिया, सूरजमुखी, मूगफली, अंडी, कुसुम, अलसी, तिल एवं सोयाबीन आदि

शाक-भाजी वाली फसलें :

- टमाटर, बैंगन, भिन्डी, सेम, गोभी, लौकी, करेला, तरोई, मटर, पालक, मेथी, एवं सलाद आदि

फल वाली फसलें :

- ककड़ी, खरबूज, तरबूज, खीरा, पपीता, एवं सिंघाड़ा आदि

जड़ वाली फसलें :

- मूली, गाजर, चुकंदर, शलजम, आदि

शर्करा वाली फसलें :

- गन्ना व चुकंदर आदि

चारे वाली फसलें :

- बरसीम, लूसर्न, जई, ग्वार, नेपियर घास, गिनी घास , मक्का, बाजरा, ज्वार, एवं जौ आदि

मसाले वाली फसलें :

- जीरा, धनिया, अजवाइन, मिर्च, मेथी, लहसुन, प्याज, सौंफ, हल्दी, अदरक, पुदीना, आदि

रेशे वाली फसलें :

- कपास, सनई, पटसन,एवं जूट आदि

औषधि फसलें :

- मैंथा, पुदीना, पिपरमिंट, आदि

उद्दीपक (उत्तेजक) फसलें :

- चाय, तम्बाकू, पोस्ता, काफी, आदि

विशेष उपयोग के आधार वर्गीकरण

हरी खाद वाली फसलें :

- सनई, ढेंचा, लोबिया, मूंग, मसूर, मोठ, आदि

नकदी फसलें :

- गन्ना, सरसों, आलू, मूंगफली, तम्बाकू, आदि

अंतर्वर्ती फसलें :

- मक्का और गेहूं के बीच के समय में तोरिया

रक्षक फसलें :

- गन्ना के चारों और पटसन, अंडी, अरहर आदि
- मक्का के चारों और ज्वार या बाजरा
- गेहूं एवं जौ के चारों और सेहुआँ

पोषक फसलें :

- गेहूं के साथ चना
- जौ के साथ चना
- ज्वार एवं बाजरा के साथ अरहर मूंग, एवं उर्द

सहयोगी या सहचरी फसलें :

- मक्का की दो लाइनों के बीच में एक लाइन उर्द

मृदा आरक्षक फसलें :

- मूंग, उर्द, एवं लोबिया आदि

कीट आकर्षक फसलें :

- कपास के खेत के चारों ओर भिन्डी

शिकारी या गलघोटू फसलें :

- सनई, बरसीम

सहायक फसलें :

- ज्वार के साथ ग्वार
- बरसीम के साथ सरसों

नाभीय फसलें :

- शहरों के निकट शाक-भाजी या फूल प्राप्त करने वाली फसलें

ट्रंक फसलें :

- आलू एवं अन्य सब्जियां